

उच्चतम न्यायाधीश वकील अन्वय पक्षकारान द्वारा प्रार्थना फल  
 धारा 212 RTA पर बहस सुनी गई। प्रार्थी का प्रार्थना  
 पत्र आंशिक रूप से स्वीकार किया गया जाकर ता फंसला  
 दावा अस्थायी निषेधाज्ञा बरक प्रार्थी खिलाफ अप्रार्थी  
 इस अमर का जारी किया जाता है कि कृषि भूमि के  
 खण्ड 36, 40, 176, 177 कुल वादादी 14.02 बीघा  
 रोटी ग्राम सहनाली छोटी में मौके की यथास्थिति  
 एवं प्रार्थी के हिस्से तक रिकार्ड की यथास्थिति  
 बनाई रखी जावे। निर्णय अलग से लिखाया जमा  
 खुले न्यायालय में सुनाया गया जो दावा के शामिल  
 भिसल रहे। भिसल फंसल शुमार होना नम्बर  
 से कम है।

11-02-16

पत्रावली पेश। वकील अन्वय पक्षकारान द्वारा प्रार्थना फल  
 धारा 212 RTA पर बहस सुनी गई। प्रार्थी का प्रार्थना  
 पत्र आंशिक रूप से स्वीकार किया गया जाकर ता फंसला  
 दावा अस्थायी निषेधाज्ञा बरक प्रार्थी खिलाफ अप्रार्थी  
 इस अमर का जारी किया जाता है कि कृषि भूमि के  
 खण्ड 36, 40, 176, 177 कुल वादादी 14.02 बीघा  
 रोटी ग्राम सहनाली छोटी में मौके की यथास्थिति  
 एवं प्रार्थी के हिस्से तक रिकार्ड की यथास्थिति  
 बनाई रखी जावे। निर्णय अलग से लिखाया जमा  
 खुले न्यायालय में सुनाया गया जो दावा के शामिल  
 भिसल रहे। भिसल फंसल शुमार होना नम्बर  
 से कम है।

उपस्थित अधिकारी  
 11/02/16